संचालनालय स्वास्थ्य सेवाये
मध्यप्रदेश

क्रमांक/आई.डी.एस.पी./2020/730 भोपाल, दिनांक 08/06/2020

प्रति,

1. समस्त संभागीय आयुक्त, मध्यप्रदेश।
2. समस्त जिला कलेक्टर, मध्यप्रदेश।
3. समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मध्यप्रदेश ।

विषयः– कोविड–19 संक्रमण के परीक्षण हेतु पूल सर्वेलेंस सेम्पलिंग द्वारा पूल सर्वेलेंस किये जाने के संबंध में।

संदर्भः–(1) सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय का पत्र दिनांक 12.05.2020

(2) आयुक्त, स्वास्थ्य सेवायें का पत्र क्रंमाक/DHS/IDSP/2020/712 दिनांक 28.05.2020

---00---

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्रों के तारतम्य में अवगत कराया जाता है कि प्रदेश में स्थित समस्त शासकीय प्रयोगशालाएं, जो कोविड–19 संक्रमण के सेम्पल का परीक्षण करने हेतु अधिकृत है, को विभाग द्वारा पूल सेंपलिंग किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

उपरोक्त विषयक जिलों द्वारा पूल सेंपलिंग किये जाने की दशा में निम्नानुसार प्रक्रिया अपनाई जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए :–

1. आई.सी.एम.आर., भारत सरकार की गाईडलाईन अनुसार पूल सेंपलिंग उन क्षेत्रों में की जाये जहां पर संक्रमण का पॉजिटीविटी रेट 2% से 5% का हो। 5% से अधिक पॉजिटीविटी रेट क्षेत्र में ICMR गाईडलाईन अनुसार RT-PCR सेम्पल ही लिये जाये अर्थात 5% या इसमें से अधिक पाजिटीवीटी क्षेत्र में पूल सेंपलिंग प्रतिबंधित है।

2. पूल सेम्पलिंग करने का उद्देश्य कम संक्रमण वाले क्षेत्रों में सर्विलेंस कर समुदाय में कोविड–19 के संक्रमण की स्थित ज्ञात करना है, जिसके लिए कन्टेमेंट क्षेत्रों के अलावा बफर क्षेत्रों से जहां पॉजिटीविटी 5% से कम है, में पूल सैम्पलिंग की जा सकती है।

3. पूल सेम्पलिंग करने के लिए इन क्षेत्रों में प्रवासी मजदूरों/सुरक्षा गार्डो (सी.आई.एस.एफ. के जवान)/पुलिस और पैरामिलेट्री के जवान/मिडिया कर्मी/औधोगिक क्षेत्र में काम करने वाले मजदूर/नगर निगम एवं नगर पालिका के कर्मचारी/सार्वजनिक वाहन एवं एम्बुलेस के के ड्रायवर/दुध एवं सब्जी वाले विक्रेता एवं घनी आबादी में रहने वाले लोग इत्यादि का सैम्पल लिया जा सकता है। कृपया बिन्दु क्रमांक 1 अनुसार ICMR गाईडलाईन का पालन सुनिश्चित करें।

4. सर्विलेंस हेतु पूल सेंपलिंग के लिए आई.सी.एम.आर. के द्वारा निर्धारित जांच की गाईडलाईन के अतिरिक्त asymptomatic low risk group के सैम्पल लिये जा सकते है।

5. पूल सेंपलिंग हेतु एकत्रित किए जाने वाले सेंपल पूर्व प्रक्रिया की भांति ही सर्वे टीम /मोबाइल मेडिकल टीम/फीवर क्लीनिक आदि से लिए जायेंगे एवं सेंपल लेने की पूर्व प्रक्रिया यथावत् रहेगी।

Scanned with CamScanner

6. पूल सेंपलिंग हेतु लिए गये सेंपलों का एस.आर.एफ. फार्म आर.टी.पी.सी.आर. एप में नहीं भरते हुये मैदानी टीम/फीवर क्लीनिक द्वारा मैनुअली भरा जायेगा। पूल सेंपलिंग के टेस्टिंग में परिणाम पॉजिटिव आने की स्थिति में उस पूल में सम्मिलित समस्त सेंपलों का पृथक–पृथक लैब द्वारा पुनः RT-PCR पर परीक्षण किया जाएगा।

7. ऐसे समस्त सेंपल को जिनका पृथक–पृथक RT-PCR टेस्ट लैब द्वारा किया जा रहा है, का ICMR पोर्टल पर मैदानी टीम/फीवर क्लीनिक द्वारा भरा हुआ मैनुअली एस.आर.एफ. फार्म लैब स्तर पर पोर्टल पर इंद्राज किया जायेगा। पूल सेंपलिंग में नेगेटिव आए हुये सेंपलों को नेगेटिव माना जाएगा।

8. उपरोक्तानुसार प्रक्रिया का पालन करते हुय पूल सेंपलिंग करने की दशा में चिन्हांकित टीम का गठन किया जाए तथा उक्त टीम को सरल क्रमांक 03 से 06 में वर्णित प्रक्रिया का स्पष्ट रूप से प्रशिक्षण दिया जाए।

9. पूल सेंपलिंग करने की दशा में संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला एपिडिमियोंलॉजिस्ट की यह जबावदारी होगी कि वे पूल सेंपलिंग किये जाने वाले समस्त सेंपलों को पृथक से, उनके एस.एफ.आर.एफ. फार्म के साथ जिले की चिन्हांकित (मेप) प्रशोगशालाओं में प्रेषित करें तथा प्रयोगशाला प्रभारी वैज्ञानिक को सेम्पल प्रेषण पूर्व स्पष्ट रूप से अवगत करायें।

उपरोक्त के परिप्रेक्ष्य में किसी प्रकार की अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु डॉ. अरविंद राय, सलाहकार, एन.सी.डी.सी. से ई–मेल arvindrai21@mail.com अथवा डॉ. रूबी खान, उपसंचालक, लैब सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम से ई–मेल ruby.khan@mp.gov.in पर सम्पर्क किया जा सकता है।

संलग्नः–उपरोक्तानुसार।

(फैज अहमद किदवई)
वि.क.अ. सह आयुक्त स्वास्थ्य सेवायें
मध्यप्रदेश

पृ.क्रमांक/आई.डी.एस.पी./2020/791 भोपाल, दिनांक 08/05/2020

प्रतिलिपिः– सूचनार्थ हेतु।

1. अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग/चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल।
2. प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मंत्रालय भोपाल।
3. प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
4. आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश भोपाल।
5. मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश, भोपाल।
6. संचालक (आई.डी.एस.पी.) स्वास्थ्य सेवायें, मध्यप्रदेश।
7. समस्त अधिष्ठाता, चिकित्सा महाविधालय, मध्यप्रदेश।
8. समस्त क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवायें, मध्यप्रदेश।
9. समस्त सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, मध्यप्रदेश।
10. समस्त शासकीय कोविड–19 जांच प्रयोगशालाऐं, आई.सी.एम.आर. द्वारा अनुमोदित।
11. डॉ. अरविंद राय, सलाहकार, नेशनल सेंटर फार डिसीज कन्ट्रोल, डायरेक्टोरेट जनरल आफ हेल्थ सर्विसेज, भारत सरकार, नई दिल्ली 110054

वि.क.अ. सह आयुक्त स्वास्थ्य सेवायें
मध्यप्रदेश

Scanned with CamScanner

भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
Government of India
Department of Health and Family Welfare
Ministry of Health and Family Welfare

प्रीति सूदन, आईएएस
सचिव
PREETI SUDAN, IAS
Secretary

12-5-2020

Email 12.5 8.28PM

आवक 2138 प्र.स./लो.स्वा.प.क./चि.राहत
दिनांक 13/5/20

Dear Colleague,

"District level facility based surveillance for Covid-19" guidelines have been uploaded on the website (https://www.mohfw.gov.in/pdf/DistrictlevelFacilitybasedsurveillanceforCOVID19.pdf) of Ministry of Health & Family Welfare, Govt of India, on 11.5.2020. These guidelines make a provision for one-time pool sample of 25 to be taken and tested only for surveillance purposes.

We have received numerous queries in this regard. It is being clarified that the provision of pooled sample of 25 may be resorted to for surveillance of returnees, both migrant labour and from abroad. This may also be used for surveillance in Green Zones.

We sincerely hope and believe that under your proactive leadership, the State Health Department would be able to implement District level facility based surveillance for Covid-19 as well as pooled sampling of 25 in aforementioned instances.

Yours sincerely,

(Preeti Sudan)

Chief Secretary of States/UTs

Copy to:-

1) Principal Secretary/Secretary (Health) of States/UTs
2) Cabinet Secretary
3) Principal Secretary to PM

DD/Dr. Ruby Khan)
Please issue appropriate instructions/put up draft
13/5

Scanned with CamScanner

14/05/2020

Guideline for RT-PCR based pooled sampling for migrants/returnees from abroad/green zones

The following guideline is in pursuance of letter of Secretary, MoHFW dated 12th May 2020 on the subject.

A decision has been taken to use one time RT-PCR based pooled sampling for surveillance purposes for migrant workers in institutional quarantine facilities, international passengers in institutional quarantine facilities/hotels ear-marked for quarantine and for surveillance purposes in green zones (districts with no case/no case reported in last 21 days).

The following guidelines would be followed for pooling of samples:

1. A cohort of 25 people will be identified
2. Throat/nasal swab will be collected following laid down protocol by trained laboratory personnel under appropriate protective gear (apron, hand glove, face-shield/goggles, N-95 mask), as per ICMR protocol (available at: https://www.mohfw.gov.in/pdf/5Sample%20collection_packaging%20%202019-nCoV.pdf)
3. Proper labelling (name/age/gender/specimen ID) needs to be done on specimen container.
4. 25 such samples of such cohort would be packed in triple layer packaging and will be transported to the identified laboratory under cold-chain as per ICMR guidelines, link of which is provided under para -2. The outer container mentioning "be tested for SARS-CoV-2" will also bear the details of sender (name/address/phone number).
5. The samples will be aliquoted and thereafter pooled samples from 25 specimens shall be tested in the laboratory by RT-PCR method.
6. The report will be conveyed to the quarantine/concerned facility within 24 hours.
7. If any of the pooled samples tests positive, individual samples would be tested from the aliquoted samples preserved in the laboratory.

Scanned with CamScanner

(1)

DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES
SATPUDA BHAWAN , BHOPAL, MADHYA PRADESH

NO ` /DHS/IDSP/2020/712 Bhopal dt. 27/05/2020

To,

1. All Commissioners, M.P.
2. All Deans, Govt. Medical college, M.P.
3. All In Charge, GoI Labs (located in M.P.)

Subject: Testing of pooled samples for SARS-CoV-2 for surveillance in low risk areas...reg/-

Reference: Letter from Secretary, Health & Family Welfare, GoI. vide letter no 2. 28015/19/2020/EMR, dated 13.05.2020

----x-----

Your attention is requested on the ICMR Guidelines published for "Testing of Pooled samples for surveillance in different low risk zones or communities".

All Govt. labs of MP (both State/Central Govt. labs) are advised to plan parallel testing of pooled samples in batches of "pools of 5 samples each" on samples collected from low risk areas.

While doing so, each of the 5 samples must be tested individually if a particular pool is found positive; without changing the CT value of raising baseline during Real time PCR test on such samples. All Samples belonging to pools found negative can be reported NEGATIVE with remark that "Tested Negative in the pooled protocol of ICMR".

Appropriate direction will be issued for collection of such samples from low risk zones covering entire Madhya Pradesh; such samples will be sent to designated nearby labs for Real time PCR testing and reporting.

All labs are requested to gear-up for pooled testing along with testing of individual samples as per the ICMR Guideline.

Attached:- As above

(Faiz Ahmed Kidwai)
Commissioner,
Health services
M.P.

Scanned with CamScanner

INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
DEPARTMENT OF HEALTH RESEARCH

Advisory on feasibility of using pooled samples for molecular testing of COVID-19

Date: 13/04/2020

Background: Number of COVID-19 cases in India is rising exponentially. In view of this, it is critical to increase the numbers of tests conducted by laboratories. Positivity rate in cases is still low. Hence, it may help to use the pooled samples for screening. A pooled testing algorithm involves the PCR screening of a specimen pool comprising multiple individual patient specimens, followed by individual testing (pool de-convolution) only if a pool screens positive. As all individual samples in a negative pool are regarded as negative, it results in substantial cost savings when a large proportion of pools tests negative.

Objectives: To increase capacity of the laboratories to screen increased numbers of samples using molecular testing for COVID-19 for the purpose of surveillance.

Methods & Results: A feasibility study was conducted at DHR/ICMR Virus Research & Diagnostic Laboratory (VRDL) at King George's Medical University (KGMU), Lucknow. It has been demonstrated that performing real-time PCR for COVID-19 by pooling 5 samples of TS/NS (200 ul/sample) is feasible when the prevalence rates of infection are low. All individual samples in a negative pool to be regarded as negative. Deconvoluted testing is recommended if any of the pool is positive. Pooling of more than 5 samples is not recommended to avoid the effect of dilution leading to false negatives.

Recommendations for sample pooling for real-time RT-PCR screening for COVID-19 are as follows (based on the KGMU study):

1. Use only in areas with low prevalence of COVID-19 (initially using proxy of low positivity of <2% from the existing data. Still a watch should be kept on increasing positivity in such areas
2. In areas with positivity of 2-5%, sample pooling for PCR screening may be considered only in community survey or surveillance among asymptomatic individuals, strictly excluding pooling samples of individuals with known contact with confirmed cases, Health Care Workers (in direct contact with care of COVID-19 patients). Sample from such individuals should be directly tested without pooling
3. Pooling of sample is not recommended in areas or population with positivity rates of >5% for COVID-19

Preferable number of samples to be pooled is five, though more than two samples can be pooled, but considering higher possibility of missing positive samples with low viral load, it strongly discouraged to pool more than 5 samples, except in research mode.

Contributors:

- Dr. Shantanu Prakash, Dr. Amita Jain, DHR/ICMR VRDL, KGMU, Lucknow
- Dr. Kiran Rade, WHO-India

Scanned with CamScanner